फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 25 प्रभात जयपुर, शनिवार 26 अगस्त, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Grandest of Grand Wedding of Dara Shikoh

Shah Jahan openly favoured his eldest son. Dara Shikoh's first wedding, for example, outshone all others in Mughal history

DELIGHTS FOR RAKHI

This Rakhi, Jaipur based brands and businesses are crafting heartfelt hampers that blend tradition with sustainability, nostalgia, and wellness.

चीन कहता है भारत की पहल पर हुई वार्ता, भारत का कहना है चीन ने आग्रह किया था वार्ता के लिए

कूटनीतिक हल्कों में अटकलों का बाजार गर्म है कि, जब चीन और भारत किसी ने भी वार्ता के लिए पहल नहीं की तो आखिर किस की पहल पर वार्ता हुई

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जोहान्सबर्ग में हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन के अवसर पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भेंट हुई। ये दोनों एशियन नेता, जिनके देशों में पिछले तीन साल सीमाओं पर तनाव चल रहा है, पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एल.ए.सी.) को सैन्य रूप से मुक्त रखने पर सहमत हो गये। लेकिन इससे पहले कि दोनों देशों के शीर्ष सैन्य अधिकारी सेना के अलगाव की बारीकियों की रूपरेखा तैयार करने के लिये बैठते, इन दोनों

- **इन दावों प्रतिदावों के बीच यह चर्चा भी चल रही है कि, दोनों नेताओं की बैठक में परस्पर सौहार्द्र व शांति स्थापना पर जो सहमति बनी है, क्या वह सिर्फ थोथी बातें ही हैं।**
- **चीन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी किया है कि, भारतीय प्रधानमंत्री के निवेदन पर जिनपिंग ने मोदी से द्विपक्षीय मीटिंग की। इस पर भारतीय पक्ष ने कहा कि, द्विपक्षीय वार्ता के लिए चीन का आग्रह लम्बे समय से लम्बित है।**
- **ज्ञातव्य है कि, मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य झड़प हुई थी तब से ही दोनों देशों के बीच तनाव हैं।**

एशियन दिग्गजों के बीच रिश्तों की बर्फ का पिघलना इस वाक् युद्ध का शिकार बन गया कि मोदी-शी की मीटिंग की शुरुआत के लिये प्रयास किधर से हुये।

जहाँ चीनी विदेश मंत्रालय जोर देते हुये कह रहा है कि मोदी का सुझावे था कि दोनों नेताओं को मिलना चाहिये, वहीं भारत ने यह जानकारी दी है कि मीटिंग का प्रस्ताव चीनी पक्ष से आया था। भारत का कहना है कि द्विपक्षीय मीटिंग का निवेदन चीन ने किया था। भारत ने चीन के इस दावे को सिरे से खंडन किया है कि मोदी-शी की मीटिंग का निवेदन नई दिल्ली ने किया था। चीन ने गुरुवार को एक बयान जानी किया कि राष्ट्रपति जिनपिंग ने, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निवेदन पर, ब्रिक्स सम्मेलन के अवसर पर 23 अगस्त 2023 को मोदी के साथ मीटिंग की।

बयान में कहा गया, "दोनों नेताओं ने भारत-चीन के वर्तमान संबंधों तथा साझा हित के अन्य प्रश्नों पर सौहार्द तथा गहनता से विचार-विनिमय किया।" भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शी जिनपिंग को पूर्वी लद्दाख में एल.ए.सी. पर "अनसुलझे" मुद्दों को लेकर भारत की चिन्ताओं से अवगत कराया। समझा जाता है कि भारत के विदेश मंत्रालय, जिसने अभी तक चीनी बयान के जवाब में कोई बयान जारी नहीं किया है, का रूख यह है कि भारतीय पक्ष के साथ द्विपक्षीय मीटिंग के लिये चीनी पक्ष की ओर से एक लम्बित निवेदन था।

चीन के विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि "राष्ट्रपति शी ने इस बात पर जोर दिया कि बेहतर हो रहे भारत-चीन संबंधी दोनों देशों और वहाँ की जनता के साझा हितों के लिये उपयोगी है तथा शान्ति, स्थिरता एवं क्षेत्रीय एवं वैश्विक विकास के लिये महत्वपूर्ण है। दोनों पक्षों को उनके द्विपक्षीय हितों के समग्र हित का ध्यान में रखना चाहिये तथा सीमा के मुद्दे को समुचित तरीके से निबटाना चाहिये, जिससे सीमा क्षेत्र में शान्ति संयुक्त रूप से बनी रहे।" भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शी जिनपिंग को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के आसपास अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंता से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने

(शेष पृष्ठ 4 पर)

राहुल गांधी कारगिल में

नयी दिल्ली, 25 अगस्त। लद्दाख की यात्रा कर रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कारगिल जाकर शहीदों को नमन किया और कहा कि, कारगिल सिर्फ एक जगह नहीं

- **बाइक से लद्दाख गए राहुल कारगिल पहुँचे और शहीदों को नमन किया।**

बल्कि साहस और बलिदान की वीरगाथा है। गांधी ने कहा, "कारगिल हमारे अनेक जवानों की कर्मभूमि, उनके साहस और बलिदान की सरजमीं है। यह भारत का गौरव है और हर भारतीय की देश के प्रति ज़िम्मेदारी का एहसास है।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

भारत-पाक सीमा पर मिली जिंदा लैंडमाइन

जैसलमेर, 25 अगस्त (नि.सं.)। जैसलमेर से लगती भारत-पाक सीमा पर एक जिंदा एंटी पर्सनल लैण्डमाइन

- **जैसलमेर के केरला गांव के पास सुबह एक चरवाहे को यह लैंडमाइन दिखाई दी। सीमा सुरक्षा बल ने माइन की जांच की है।**

मिलने से सनसनी फैल गई। सरहदी इलाके के केरला गांव के पास शुक्रवार सुबह एक चरवाहे को यह लैण्डमाइन

(शेष पृष्ठ 4 पर)

अपने अटपटे बयानों से महाराष्ट्र की राजनीति में खलबली मचाए हुए हैं शरद पवार

राजनैतिक विशेषज्ञों के अनुसार शायद पवार सत्तारूढ़ गठबंधन में व्याप्त अनिश्चितता का फायदा उठाने के लिए ऐसा कर रहे हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 अगस्त। एन.सी.पी. (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी) प्रमुख शरद पवार के अप्रत्याशित बयान तथा उनके मोड़ एवं घुमाव राजनैतिक हल्कों में चर्चा का विषय रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों यह अविश्वनीय बयान दिया था कि एन.सी.पी. में कोई विघटन एवं बिखराव नहीं हुआ है तथा उनके भतीजे अजीत पवार एन.सी.पी. के नेता हैं। अपने इस बयान के बाद, शरद पवार इस बयान से तुरन्त ही मुकर गये तथा कहा कि नेताओं के एक ग्रुप का किसी भिन्न रास्ते को अपनाने के निर्णय को पार्टी का टूटना नहीं कहा जा सकता। एक दिन पहले पवार की पुत्री तथा पार्टी सांसद सुप्रिया सुले ने भी यही बात कही हैं।

31 अगस्त एवं 1 सितम्बर को मुम्बई में होने वाली इंडिया ब्लॉक की तीसरी मीटिंग से पहले, शरद पवार को यह प्रोजैक्ट करने की जरूरत तो है ही कि वे एन.सी.पी. के निर्विवाद नेता हैं तथा महाराष्ट्र की राजनीति के पुराने दिग्गज का उनका रूतबा और दबदबा कम नहीं हुआ है। अपने भतीजे अजीत पवार पर उनके अटपटे बयान का अन्य प्रयोजन यह भी हो सकता है कि उनका उद्देश्य एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली वर्तमान महाराष्ट्र सरकार के

- **पवार ने हाल ही में एक अविश्वसनीय बयान दिया कि, अजीत पवार अभी भी एन.सी.पी. के नेता हैं। पर फिर तुरंत ही वे इससे पीछे हट गए और बोले, अगर पार्टी का एक समूह अलग दिशा में जाता है तो इसे पार्टी का विभाजन नहीं कहा जा सकता।**
- **राजनैतिक हल्कों में इन बयानों पर आश्चर्य जताया गया है, पर इस बात से किसी को भी इन्कार नहीं है कि, पवार राजनीति के धुरंधर हैं और उनके बयानों में अवश्य ही कुछ खास मायने हैं।**
- **असल में अजीत पवार गुट के सरकार में शामिल होने से शिंदे सरकार में अनिश्चितता व्याप्त है, खासकर भाजपा में भारी असंतोष है।**

पदाधिकारियों में भ्रम फैलने का रहा हो। अजीत पवार गुट के महाराष्ट्र सरकार में शामिल हो जाने के बाद, एकनाथ शिंदे सरकार अनिश्चितता की स्थिति की तरफ बढ़ रही प्रतीत हो रही है।

राज्य भाजपा के नेता एवं कार्यकर्ता कथित रूप से अप्रसन्न हैं क्योंकि उन्होंने भाजपा के लिए मेहनत की थी, लेकिन भाजपा वाले वे लोग एन.सी.पी. के अजीत गुट तथा शिव सेना के शिंदे गुट के नेता सत्ता का आनंद उठा रहे हैं। अजीत गुट के सरकार में प्रवेश के बाद, मुख्यमंत्री शिंदे तथा उनके गुट के नेता भाजपा के इरादों को लेकर असुरक्षित हो गये हैं। शिंदे ने तो ऑन रिकॉर्ड यहाँ तक कह दिया था कि अगले चुनावों में वे मुख्यमंत्री को चेहरा होंगे। जहाँ तक अजीत पवार का प्रश्न है, वे मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षाओं के बारे में कभी भी चुप नहीं रहे हैं। इस परिदृश्य के चलते, शरद पवार साफ तौर पर संकटपूर्ण स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश में हैं। अगर महाराष्ट्र अगले साल होने वाले लोकसभा तथा विधानसभा चुनावों तक इसी प्रकार की ऊहापोहयुक्त बनी रहती है तो जाहिर है कि शरद पवार को अपने गुट को नया रूप देने तथा अपने प्रभाव को मजबूत करने का समय मिल जायेगा।

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
सहकार से समृद्धि
आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर कृषि

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री अमित शाह
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

श्री ओम बिरला
माननीय लोकसभा अध्यक्ष

सहकार किसान सम्मेलन

मुख्य अतिथि श्री अमित शाह माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

विशिष्ट अतिथि श्री ओम बिरला माननीय लोकसभा अध्यक्ष

IFFCO पूर्णतः सहकारी स्वामित्व Wholly owned by Cooperatives

26 अगस्त, 2023 | २६ श्रावण, विक्रम संवत २०८० | गंगापुर सिटी, राजस्थान | दोपहर 1 बजे

IFFCO पूर्णतः सहकारी स्वामित्व Wholly owned by Cooperatives

गरिमामयी उपस्थिति : श्री दिलीप संघाणी अध्यक्ष, इफको
डॉ. उदय शंकर अवस्थी प्रबंध निदेशक, इफको

इफको नैनो उर्वरकों का वादा, उपज अधिक लाभ ज़्यादा | नैनो उर्वरकों की एक बोतल, एक बोरी रासायनिक उर्वरक के बराबर

- फसल उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि
- अन्य तरल उत्पादों के साथ छिड़काव संभव
- जल, वायु एवं मृदा प्रदूषण में कमी
- सभी तरह की फसलों के लिए उपयुक्त
- भण्डारण एवं परिवहन में आसान
- नैनों डी ए पी से बीज के अंकुरण में वृद्धि एवं जड़ क्षेत्र का अधिक विकास
- सुरक्षित एवं हानिरहित
- पारंपरिक उर्वरकों के प्रयोग में कमी
- कीट एवं रोग के प्रकोप में कमी

किसानों के सर्वांगीण हित में सुरक्षित, हानिरहित, पर्यावरण सुरक्षा एवं टिकाऊ खेती सुनिश्चित करने में इफको नैनो उर्वरकों का एक अमूल्य योगदान होगा।

सहकार किसान सम्मेलन में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

नैनो यूरिया (तरल)

नैनो डीएपी (तरल)

IFFCO पूर्णतः सहकारी स्वामित्व Wholly owned by Cooperatives
इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
इफको सदन सी-1, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत प्लेस, नई दिल्ली- 110017, भारत
www.iffco.in

ऑनलाइन खरीदने एवं अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें